भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

**राज्य सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 3542**

जिसका उत्तर मंगलवार, 24 मार्च, 2026/3 चैत्र, 1948 (शक) को दिया जाना है।

**घरेलू यूरिया उत्पादन क्षमता**

**3542. श्री बृज लाल:**
**श्रीमती किरण चौधरी:**
**श्री मिथलेश कुमार:**
**श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाण:**
**श्री केसरीदेवसिंह झाला:**
**डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे:**
**श्री अमर पाल मौर्य:**
**श्रीमती दर्शना सिंह:**
**श्री सुभाष बराला:**
**श्री रायगा कृष्णैया:**
**श्री नरहरी अमीन:**
**श्री सदानंद महालू शेट तानवड़े:**

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तर प्रदेश सहित देश में यूरिया उत्पादन की वर्तमान स्थापित क्षमता कितनी है तथा घरेलू उत्पादन के माध्यम से पूरी की जाने वाली घरेलू मांग का प्रतिशत कितना है;
(ख) क्या सरकार ने नई यूरिया नीति के अंतर्गत बंद उर्वरक संयंत्रों का आधुनिकीकरण अथवा पुनरुद्धार किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) उत्तर प्रदेश सहित देश में विगत पांच वर्षों में कितने नये उर्वरक संयंत्र चालू किये गये हैं;
(घ) क्या सरकार उर्वरक विनिर्माण में निजी निवेश को प्रोत्साहित करने का विचार रखती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ड.) आयातित यूरिया पर भारत की निर्भरता को कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**

**रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री**
**(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)**

**(क):** वर्तमान में देश में 33 यूरिया उत्पादक इकाइयां हैं जिनकी कुल उत्पादन क्षमता 269.42 एलएमटी प्रति वर्ष है। देश में वर्ष 2024-25 और 2025-26 (फरवरी, 2026 तक) के दौरान यूरिया की घरेलू मांग और यूरिया के घरेलू उत्पादन का विवरण निम्नानुसार है:

| यूरिया की घरेलू मांग और यूरिया का घरेलू उत्पादन (आंकड़े एलएमटी में) | | | |
|---|---|---|---|
| **वर्ष** | **यूरिया की मांग (क)** | **यूरिया उत्पादन (ख)** | **प्रतिशत (क/ख)*100** |
| **2024-25** | 364.01 | 306.67 | 84.25% |
| **2025-26 (फरवरी 2026 तक)** | 366.50 | 275.75 | 75.24% |

**(ख) से (ङ):** यूरिया के संबंध में, सरकार ने यूरिया क्षेत्र में नए निवेश को सुविधाजनक बनाने और यूरिया क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 2 जनवरी, 2013 को नई निवेश नीति (एनआईपी)-2012 की घोषणा की और 7 अक्टूबर, 2014 को इसमें संशोधन किया। एनआईपी-2012 के तहत कुल 6 नई यूरिया इकाइयां स्थापित की गई हैं जिनमें नामित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की संयुक्त उद्यम कंपनियों (जेवीसी) के माध्यम से स्थापित 4 यूरिया इकाइयां और निजी कंपनियों द्वारा स्थापित 2 यूरिया इकाइयां शामिल हैं। तेलंगाना में रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) की रामागुण्डम यूरिया इकाई तथा हिंदुस्तान उर्वरक एंड रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) की 3 यूरिया इकाइयां नामत: गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी क्रमश: उत्तर प्रदेश, झारखंड और बिहार में जेवीसी के माध्यम से स्थापित इकाइयां हैं। पश्चिम बंगाल में मैटिक्स फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (मैटिक्स) की पानागढ़ यूरिया इकाई; और राजस्थान में चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (सीएफसीएल) की गड़ेपान-।।। यूरिया इकाई निजी कंपनियों द्वारा स्थापित इकाइयां हैं। इनमें से प्रत्येक इकाई की संस्थापित क्षमता 12.7 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एलएमटीपीए) है। ये इकाइयां अत्यधिक ऊर्जा दक्ष हैं क्योंकि ये अद्यतन प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं। अत:, इन इकाइयों ने मिलकर यूरिया उत्पादन क्षमता में 76.2 एलएमटीपीए की वृद्धि की है जिससे वर्ष 2014-15 के दौरान रही 207.54 एलएमटीपीए की कुल स्वदेशी यूरिया उत्पादन क्षमता (पुनर्आकलित क्षमता, आरएसी) वर्ष 2023-24 के दौरान बढ़कर 283.74 एलएमटीपीए हो गई है।

इसके अलावा, कोयला गैसीकरण रूट पर 12.7 एलएमटीपीए का एक नया ग्रीनफील्ड यूरिया संयंत्र स्थापित करके नामित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की जेवीसी नामत: तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) के माध्यम से एफसीआईएल की तालचेर इकाई को पुनर्जीवित करने के लिए एक विशेष नीति भी अनुमोदित की गई है। हाल ही में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ब्रह्मपुत्र वैली फ़र्टिलाइज़र कारपोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल), नामरूप असम के मौजूदा परिसर के भीतर 12.7 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) वार्षिक यूरिया उत्पादन क्षमता के एक नए ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया कॉम्प्लेक्स की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। दोनों क्रियान्वयन के चरण में हैं।

इसके अतिरिक्त, सरकार ने स्वदेशी यूरिया उत्पादन को आरएसी से अधिक करने के एक उद्देश्य से मौजूदा 25 गैस-आधारित यूरिया इकाइयों के लिए 25 मई, 2015 को नई यूरिया नीति (एनयूपी)-2015 भी अधिसूचित की है। एनयूपी-2015 से यूरिया का उत्पादन वर्ष 2014-15 के दौरान हुए वार्षिक उत्पादन की तुलना में 20-25 एलएमटीपीए बढ़ा है।

उपर्युक्त सभी उपायों से रिकार्ड यूरिया उत्पादन हुआ है, जो वर्ष 2014-15 के दौरान 225 एलएमटी प्रतिवर्ष था वर्ष 2023-24 के दौरान बढ़कर 314.07 एलएमटी हो गया है। वर्ष 2024-25 के दौरान देश में 306.67 एलएमटी यूरिया का उत्पादन हुआ है।

******